सफलता | 87 दिन बाद मेडिकल कॉलेज से स्वस्थ होकर घर लौटा

810 ग्राम के नवजात ने जीती जिंदगी की जंग

नवभारत,शहडोल। शहडोल मेडिकल कॉलेज के स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट (एसएनसीयू) में जन्म के समय महज 810 ग्राम वजन वाले एक अत्यंत प्रीमैच्योर नवजात ने 87 दिनों तक चले उपचार के बाद जिंदगी की जंग जीत ली। विशेषज्ञ चिकित्सकों की सतत निगरानी, आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों, मां के दूध और कंगारू मदर केयर की बदौलत स्वस्थ होने पर नवजात को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

जानकारी के अनुसार सोहागपुर तहसील के ग्राम ककरहाई निवासी शिवानी का समय से पहले प्रसव हुआ था। जन्म के समय शिशु का वजन केवल 810 ग्राम था। अत्यधिक कम वजन और समयपूर्व जन्म के कारण उसकी स्थिति बेहद गंभीर थी। जन्म के तुरंत बाद उसे शहडोल मेडिकल कॉलेज के एसएनसीयू में भर्ती कर विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में इलाज शुरू किया गया।

उपचार के दौरान नवजात को आवश्यकता अनुसार श्वसन सहायता (रेस्पिरेटरी सपोर्ट) दी गई। संक्रमण से बचाव के साथ संतुलित पोषण, मां के दूध को प्राथमिकता तथा कंगारू मदर केयर जैसी वैज्ञानिक पद्धतियों का लगातार उपयोग किया गया। चिकित्सकों, रेजिडेंट डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ ने 24 घंटे निगरानी रखते हुए शिशु की हर गतिविधि पर नजर बनाए रखी।लगभग 87 दिनों तक चले उपचार के दौरान नवजात की सेहत में लगातार सुधार होता गया। उसका वजन बढ़ा, दूध पीने की क्षमता सामान्य हुई और सभी चिकित्सकीय मानकों में संतोषजनक प्रगति दर्ज की गई। आवश्यक जांच और मूल्यांकन के बाद डॉक्टरों ने उसे पूरी तरह स्वस्थ घोषित करते हुए घर भेज दिया।

मेडिकल कॉलेज की नवजात चिकित्सा टीम ने बताया कि अत्यंत कम वजन वाले प्रीमैच्योर शिशुओं का उपचार काफी चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन समय पर विशेषज्ञ इलाज, मां का दूध, कंगारू मदर केयर और परिवार के सहयोग से ऐसे बच्चों को भी स्वस्थ जीवन दिया जा सकता है।यह सफलता शहडोल मेडिकल कॉलेज के एसएनसीयू की उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं, विशेषज्ञ चिकित्सकों की प्रतिबद्धता और टीमवर्क का उत्कृष्ट उदाहरण मानी जा रही है। चिकित्सकों ने कहा कि समय पर रेफरल, वैज्ञानिक उपचार और समर्पित देखभाल से गंभीर स्थिति में जन्म लेने वाले नवजातों की जान बचाना पूरी तरह संभव है।

अवैध रेत से भरे ट्रैक्टर ने युवक की ली जान, दो गंभीर घायल

▸ गुस्साए ग्रामीणों ने ट्रैक्टर में लगाई आग

नवभारत,गोहपारू। थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह अवैध रेत से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से एक बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके दो साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया और दुर्घटनाग्रस्त ट्रैक्टर-ट्रॉली में आग लगा दी। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, पाथेरा मोड़ के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि बाइक सवार शंकर प्रताप साहू (35 वर्ष) ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। बाइक पर सवार दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में पलट गई। हादसे के तुरंत बाद चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक मृतक के परिजन और आसपास के गांवों के सैकड़ों ग्रामीण घटनास्थल पर एकत्र हो चुके थे।ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में लंबे समय से धड़ल्ले से अवैध रेत का उत्खनन और परिवहन किया जा रहा है, जिसकी शिकायतें कई बार की गईं, लेकिन जिम्मेदार विभागों ने कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की। इसी नाराजगी के चलते उग्र भीड़ ने पलटे हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली में आग लगा दी। हंगामे के कारण पुलिस को शव कब्जे में लेने और स्थिति सामान्य करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ट्रैक्टर-ट्रॉली में धौनहा नदी से अवैध रूप से रेत भरकर ले जाई जा रही थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर चालक की तलाश शुरू कर दी है। वहीं प्रशासन ने घटना की जांच के साथ अवैध रेत परिवहन के पूरे नेटवर्क की भी जांच कराने की बात कही है। घटना के बाद क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

एक नजर में

ग्राम छोहरी के किसानों ने रास्ता खुलवाने की मांग को लेकर तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

नवभारत,चुहिरी/गोहपारू। जनपद पंचायत गोहपारू अंतर्गत ग्राम छोहरी के किसानों ने तहसीलदार के नाम ज्ञापन सौंपकर शासकीय भूमि से होकर जाने वाले पुराने रास्ते को पुन: चालू कराने की मांग की है। किसानों का कहना है कि वर्षों से उपयोग में आ रहे इस मार्ग के बंद हो जाने से खेती-किसानी और ग्राम देवता भोलेनाथ मंदिर तक पहुंचने में भारी परेशानी हो रही है। ज्ञापन के अनुसार ग्राम छोहरी के लगभग 30 से 40 किसान करीब 40 से 50 एकड़ कृषि भूमि पर खेती करते हैं। यह मार्ग किसानों के खेतों तक पहुंचने का प्रमुख रास्ता होने के साथ-साथ ग्रामीणों के लिए भोलेनाथ मंदिर तक जाने का भी एकमात्र सुविधाजनक मार्ग है।किसानों का आरोप है कि शासकीय भूमि खसरा क्रमांक 474 एवं 475 पर बाड़ लगाकर रास्ता बंद कर दिया गया है, जिससे खेती का कार्य प्रभावित हो रहा है। किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि रास्ता खोलने की बात करने पर अभद्र व्यवहार किया जाता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि शासकीय भूमि पर स्थित पुराने रास्ते को तत्काल खुलवाया जाए, ताकि किसानों को अपने खेतों तक आने-जाने और धार्मिक स्थल तक पहुंचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। ज्ञापन पर ग्राम के अनेक किसानों के हस्ताक्षर भी हैं।

सड़क किनारे दिनभर पड़ी रही बुजुर्ग महिला की लाश

जबलपुर। बरेला क्षेत्र में सड़क किनारे एक 80 वर्षीय लावारिस बुजुर्ग महिला का शव दिनभर पड़ा रहा। जब इस बात की भनक मोक्ष मानव सेवा एवं जन उत्थान समिति के संयोजक आशीष ठाकुर को लगी, तो उन्होंने बिना समय गंवाए बरेला पुलिस से संपर्क किया। पुलिस के सहयोग से शव को तुरंत पोस्टमार्टम के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया। कानूनी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद, मोक्ष समिति के सदस्यों ने तिलवारा श्मशान घाट पर मृतका का पूरे रीति-रिवाज और सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया। महिला के अंतिम संस्कार के दौरान ही समिति को दो अन्य जगहों से बेसहारा बुजुर्गों के पड़े होने की सूचना मिली, जिन्हें सुरक्षित बचाया गया। दमोह नाका चौक में कई दिनों से एक 80 वर्षीय बुजुर्ग गंभीर और असहाय स्थिति में सड़क किनारे पड़े थे। मोक्ष की टीम ने उन्हें रेस्क्यू कर मेडिकल परिसर स्थित मोक्ष आश्रय स्थल लाया गया गौतम मढ़िया में एक दिन पूर्व यहाँ मिले एक अन्य लावारिस बुजुर्ग को संजीवनी नगर थाना पुलिस और डायल-112 की मदद से सुरक्षित मोक्ष आश्रय स्थल पहुंचाया गया।

बच्चों को स्वच्छता और ओआरएस का दिया गया संदेश

▸ हैंडपंप के पानी की गुणवत्ता जांची गई, सुरक्षित पेयजल और हाथ धोने की सही विधि की दी जानकारी

नवभारत,शहडोल। स्टॉप डायरिया कैंपेन-2026 के अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय, कटकोना में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को दस्त (डायरिया) के कारण, लक्षण, बचाव के उपाय, ओआरएस एवं जिंक के महत्व, सुरक्षित पेयजल के उपयोग, हाथ धोने की सही विधि तथा व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्वच्छता के संबंध में सरल एवं व्यवहारिक जानकारी दी गई।

इस दौरान विद्यालय परिसर में स्थापित हैंडपंप के पानी की एफ्टीके (फील्ड टेस्ट किट) के माध्यम से गुणवत्ता की जांच भी की गई। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल के उपयोग के लिए जागरूक करते हुए जलजनित बीमारियों से बचाव के उपाय बताए गए।कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य स्मृति जायसवाल, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के आईईसी समन्वयक रोहणी कुमार बर्मन सहित विद्यालय के शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अभियान का उद्देश्य बच्चों के माध्यम से स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी संदेश को समाज के प्रत्येक घर तक पहुंचाना है।

ग्रामीण अंचलों में खुलेआम बिक रहा पेट्रोल

▸ 170-180 रु.प्रति लीटर तक वसूली के आरोप आखिर किसके संरक्षण में चल रहा यह खेल

चुहिरी/गोहपारू। ग्रामीण क्षेत्रों में खुलेआम पेट्रोल की बिक्री को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि गांवों में बोतलों और डिब्बों में पेट्रोल ?170 से ?180 प्रति लीटर तक बेचा जा रहा है, जबकि अधिकृत पेट्रोल पंपों पर सुरक्षा नियमों के तहत पेट्रोल की बिक्री निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार की जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि सुरक्षा कारणों से पेट्रोल पंपों पर नियमों का कड़ाई से पालन कराया जाता है, तो फिर गांवों में खुलेआम हो रही इस बिक्री पर प्रशासन की नजर क्यों नहीं पड़ रही है? आखिर यह पेट्रोल कहां से आ रहा है और इतनी ऊंची कीमत पर किसकी अनुमति से बेचा जा रहा है?

लोगों का कहना है कि खुले में पेट्रोल का भंडारण और बिक्री केवल उपभोक्ताओं से अधिक कीमत वसूलने का मामला नहीं है, बल्कि यह एक गंभीर सुरक्षा खतरा भी है। ज्वलनशील पदार्थ होने के कारण किसी भी समय आग लगने या बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि पूरे क्षेत्र में विशेष जांच अभियान चलाकर यह पता लगाया जाए कि बिना अनुमति पेट्रोल बेचने का कारोबार कहां-कहां संचालित हो रहा है। साथ ही, यदि जांच में अनियमितताएं सामने आती हैं तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो यह मामला केवल अवैध बिक्री तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि किसी बड़े हादसे की वजह बन सकता है।

प्रश्न जो उठ रहे हैं

* आखिर गांवों में खुलेआम पेट्रोल कहां से पहुंच रहा है।
* क्या बिना अनुमति ज्वलनशील पदार्थ की बिक्री की जांच की जा रही है।
* क्या संबंधित विभागों को इसकी जानकारी है।
* क्या जिला प्रशासन और कलेक्टर इस मामले की जांच कराएंगे।

पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला कार्यकारिणी की घोषणा

▸ सूर्यप्रकाश रजक बने जिला महामंत्री

नवभारत शहडोल/धनपुरी। भारतीय जनता पार्टी संगठन प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल के मार्गदर्शन में संभाग संगठन प्रभारी श्री गौरव सिरोठिया की सहमति साथ ही जिला संगठन प्रभारी विधायक जबलपुर श्री अभिलाष पांडे की सहमति एवं जिला अध्यक्ष भाजपा शहडोल श्रीमती अमिता चपरा की अनुसंशा पर जिला पिछड़ा वर्ग मोर्चा की कार्यकारिणी की घोषणा की गई है जिसमें भारतीय जनता पार्टी के युवा दिग्गज नेता युवा मोर्चा के पूर्व मंडल अध्यक्ष पूर्व जिला उपाध्यक्ष श्री सूर्यप्रकाश रजक को जिला महामंत्री का दायित्व सौंपा गया है ज्ञात हो की श्री सूर्यप्रकाश रजक लंबे समय से भाजपा संगठन के निर्देशों का पालन पूर्ण निष्ठा भाव से करते आ रहे हैं और लगातार पार्टी हित के कार्यों का संपादन अपनी क्षमता अनुरूप लगातार कर रहे हैं श्री सूर्यप्रकाश रजक के महामंत्री बनने पर उनके इष्ट मित्रों एवं वरिष्ठ जनों ने उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की हैं और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

बधाइयों का लगा तांता

समाजसेवी एवं भाजपा नेता श्री सूर्यप्रकाश रजक के जिला महामंत्री पिछड़ा वर्ग मोर्चा बनने पर जिले के वरिष्ठ भाजपा नेताओं सहित गणमान्य जनों ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करी है जिनमे मुख्य रूप से पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष श्री इंद्रजीत सिंह छाबड़ा श्री कमल प्रताप सिंह युवा मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं वर्तमान उपाध्यक्ष श्री राकेश पांडे जिला महामंत्री भाजपा श्री अमित मिश्रा जिला उपाध्यक्ष भाजपा श्री संतोष लोहानी श्री दौलत मनवानी जिला मंत्री श्रीकृष्ण गुप्ता जिला कार्यालय मंत्री श्री अंकुश शर्मा वरिष्ठ भाजपा नेता सदन लाल कपूर श्री विजय सिंह पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष श्री लवकुश तिवारी श्री संजू चांदवानी श्री शशि उपाध्याय वर्तमान मंडल अध्यक्ष श्री अजय शर्मा प्रकाश रौतेल, कामता रौतेल,अंकित गुप्ता सहित कई अन्य शुभचिंतकों एवं भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने अपनी ओर से शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके सफल नवीन दायित्व के ऐतिहासिक कार्यकाल हेतु बधाईयां दी हैं

पंचायत स्तर पर ही होगा समस्याओं का समाधान

नवभारत,शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन में सोहागपुर अनुभाग की अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अमृता गर्ग ने ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए नई पहल शुरू की है। अब सोहागपुर अनुभाग की प्रत्येक ग्राम पंचायत में हर मंगलवार सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई आयोजित की जाएगी, जिससे ग्रामीणों की शिकायतों का समाधान उनके गांव में ही किया जा सकेगा।

एसडीएम अमृता गर्ग ने बताया कि जनसुनवाई में संबंधित ग्राम पंचायत सचिव, हल्का पटवारी, राजस्व निरीक्षक, आशा कार्यकर्ता, महिला सुपरवाइजर सहित अन्य मैदानी अधिकारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे। जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों की शिकायतें और समस्याएं सुनी जाएंगी तथा प्राप्त आवेदनों का यथासंभव मौके पर ही निराकरण किया जाएगा।उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से आम लोगों को छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए कलेक्टर या कमिश्नर कार्यालय तक नहीं जाना पड़ेगा। इससे ग्रामीणों के समय और धन दोनों की बचत होगी तथा प्रशासनिक सेवाएं सीधे गांव स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि यदि किसी आवेदन का तत्काल निराकरण संभव नहीं होगा, तो संबंधित आवेदक को समाधान की समय-सीमा की स्पष्ट जानकारी दी जाएगी और निर्धारित अवधि में उसका निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। प्रशासन की इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में सुशासन को और अधिक मजबूत करने के साथ आमजन को त्वरित एवं पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

कार सीख रही नाबालिग ने पड़ोसी के घर में घुसाई गाड़ी

नवभारत, जबलपुर। मदन महल थाना अंतर्गत आने वाली एलआईसी कॉलोनी प्रेमनगर में कार चलाना सीख रही एक किशोरी की लापरवाही से हादसा हो गया। अनियंत्रित कार पड़ोसी के मकान की बाउंड्री और दीवार तोड़ते हुए सीधे घर के भीतर जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कमरे की दीवार पूरी तरह जमींदोज हो गई। समय पर एयरबैग खुलने से किशोरी की जान बच गई।

जानकारी अनुसार नाबालिग किशोरी बिना किसी पेशेवर प्रशिक्षक या अनुभवी चालक के अकेले ही कार क्रमांक एमपी-20 सीएच 4284 चलाना सीख रही थी। ड्राइविंग के दौरान अचानक नियंत्रण खोने से तेज रफ्तार कार सीधे सामने वाले मकान से जा टकराई। टक्कर के कारण मकान की मजबूत बाउंड्री और मुख्य दीवार पूरी तरह ढह गई और कार कमरे के अंदर दाखिल हो गई।

एयरबैग से बची जान, क्रेन से निकाली गई कार

दुर्घटना के तुरंत बाद कार के एयरबैग खुल गए, जिससे किशोरी को कोई गंभीर चोट नहीं आई। हादसे में कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मलबे में फंसी कार को निजी क्रेन बुलाकर कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया।

राज्य स्तरीय सेपकटकरा प्रतियोगिता में शहडोल का शानदार प्रदर्शन

▸ बालक टीम ने जीता स्वर्ण व रजत, बालिकाओं ने दिलाया रजत पदक

नवभारत,शहडोल। अशोकनगर में 3 से 5 जुलाई 2026 तक आयोजित 12वीं राज्य स्तरीय जूनियर सेपकटकरा प्रतियोगिता में शहडोल जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल उपविजेता बनने का गौरव हासिल किया। खिलाड़ियों के उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन से जिले का नाम पूरे प्रदेश में रोशन हुआ।

जिला सेपकटकरा संघ के सचिव रामकिशोर चौरसिया ने बताया कि प्रतियोगिता में शहडोल की टीम ने विभिन्न स्पर्धाओं में बेहतरीन प्रदर्शन किया। बालक वर्ग ने टीम इवेंट में स्वर्ण पदक तथा रेगु इवेंट में रजत पदक अपने नाम किया। वहीं बालिका वर्ग ने क्वाड इवेंट में रजत पदक जीतकर जिले को ओवरऑल उपविजेता बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।संघ के सहसचिव संजय सिंह कंघीकार ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए जिले से 12 बालक एवं 11 बालिका खिलाड़ियों का चयन किया गया था। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन आगामी राष्ट्रीय जूनियर सेपकटकरा प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा। प्रतियोगिता में रामकिशोर चौरसिया ने मुख्य टीम मैनेजर, अमृतांजलि पटेल ने बालिका कोच तथा उत्तम हलवाई ने बालक कोच के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर जिला सेपकटकरा संघ के अध्यक्ष अंकुर श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष प्रमोद विश्वकर्मा, सचिव रामकिशोर चौरसिया, सहसचिव संजय सिंह कंघीकार, शांति देवी मेमोरियल पब्लिक स्कूल के संचालक राजन शर्मा, टाइम पब्लिक स्कूल की प्राचार्य रूबी जितेंद्र शुक्ला, सेंट्रल एकेडमी स्कूल के प्राचार्य संजय मिश्रा सहित खिलाड़ियों के परिजनों एवं खेल प्रेमियों ने पूरी टीम को बधाई देते हुए राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं।

परेशानी | बरसात में बढ़ी परेशानी, सड़क के बीचों-बीच निकल गए सरिया तो जल भराव भी बढ़ा रहा परेशानी

श्रद्धालुओं की आस्था पर भारी पड़ रही जर्जर सड़क

नवभारत, धनपुरी। धनपुरी नगर की आस्था का सबसे बड़ा केंद्र मां ज्वालामुखी मंदिर तक पहुंचने वाला मुख्य मार्ग पिछले कई वर्षों से बदहाल स्थिति में है। मंदिर तक जाने वाली सड़क की जर्जर हालत श्रद्धालुओं के लिए लगातार परेशानी का कारण बनी हुई है, लेकिन इसके सुधार को लेकर नगर पालिका धनपुरी की ओर से अब तक कोई ठोस पहल होती दिखाई नहीं दे रही है। हालात यह हैं कि मुन्नालाल सोनी के निवास से लेकर मां ज्वालामुखी मंदिर तक जाने वाला पूरा मार्ग जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो चुका है। कहीं सड़क किनारों से धंस रही है तो कहीं सड़क के बीचों-बीच लोहे की सरिया बाहर निकल आई है, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह मार्ग केवल एक सामान्य सड़क नहीं बल्कि हजारों-लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख रास्ता है। वर्षभर श्रद्धालुओं का यहां आना-जाना लगा रहता है, जबकि चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि के दौरान लाखों की संख्या में भक्त मां ज्वालामुखी के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इसके बावजूद सड़क की स्थिति वर्षों से जस की तस बनी हुई है। श्रद्धालुओं को टूटी सड़क, गड्ढों और कीचड़ से होकर मंदिर तक पहुंचना पड़ता है, जिससे उन्हें भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है।

बरसात शुरू होते ही इस मार्ग की स्थिति और अधिक गंभीर हो गई है। जगह-जगह जलभराव होने से सड़क पूरी तरह कीचड़ में तब्दील हो गई है। कई स्थानों पर पानी भर जाने से गड्ढों का अंदाजा तक नहीं लग पाता, जिससे दोपहिया वाहन चालक और पैदल चलने वाले श्रद्धालु दुर्घटना का शिकार हो सकते हैं। सड़क के किनारे धंसने के कारण बड़े वाहनों के गुजरने में भी खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो बरसात के दौरान स्थिति और भी भयावह हो सकती है। सड़क के चौड़ीकरण को लेकर भी वर्षों से केवल घोषणाएं और चर्चाएं होती रही हैं। कई बार जनप्रतिनिधियों और जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा सड़क निर्माण और चौड़ीकरण का आश्वासन दिया गया, लेकिन आज तक धरातल पर कोई कार्य दिखाई नहीं दिया। परिणामस्वरूप श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों को हर दिन जर्जर सड़क से होकर गुजरना पड़ रहा है। मंदिर क्षेत्र में लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए यह मार्ग अब पहले की तुलना में काफी संकरा भी महसूस होने लगा है, जिससे पर्व और त्योहारों के दौरान जाम जैसी स्थिति भी बन जाती है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि मां ज्वालामुखी मंदिर नगर ही नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र है। ऐसे धार्मिक स्थल तक जाने वाले मार्ग की यह स्थिति प्रशासन और नगर पालिका की कार्यशैली पर सवाल खड़े करती है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क का पुनर्निर्माण और चौड़ीकरण करा दिया जाए तो श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिल सकती है और संभावित दुर्घटनाओं पर भी रोक लगाई जा सकती है। क्षेत्रवासियों ने नगर पालिका और जिला प्रशासन से मांग की है कि मुन्नालाल सोनी के निवास से लेकर मां ज्वालामुखी मंदिर तक की सड़क का तत्काल सर्वे कराया जाए तथा क्षतिग्रस्त हिस्सों का शीघ्र निर्माण कराया जाए।

जिला जनगणना हस्तपुस्तिका पर जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित

▸ अधिकारियों को दिए गए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश

नवभारत,शहडोल। कार्यालय कलेक्टर एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी, शहडोल के तत्वावधान में बुधवार को जिला जनगणना हस्तपुस्तिका (डीसीएचबी)-2027 के संबंध में जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम पीएमश्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, ब्यौहारी में प्रात: 10 बजे से आयोजित हुआ, जिसमें जनगणना कार्य से जुड़े अधिकारियों एवं प्रभारियों को विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यशाला में जिला जनगणना चार्ज अधिकारी एवं अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, भोपाल से आए ओआईसी गिरीश शुक्ला, ब्यौहारी तहसीलदार तथा जिला जनगणना ब्रांड एंबेसडर डॉ. योगेश चंद्र गुप्ता सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।प्रशिक्षण के दौरान जिला जनगणना हस्तपुस्तिका-2027 के निर्माण से जुड़े विभिन्न तकनीकी पहलुओं, आंकड़ों के संग्रहण, संकलन, सत्यापन तथा आगामी कार्ययोजना की विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों ने जनगणना कार्य को त्रुटिरहित, पारदर्शी एवं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि जिला जनगणना हस्तपुस्तिका जिले की सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक एवं प्रशासनिक जानकारी का महत्वपूर्ण दस्तावेज होती है। इसलिए इसके लिए तैयार किए जाने वाले आंकड़ों की शुद्धता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करना सभी प्रभारियों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।कार्यक्रम के अंत में सभी जनगणना प्रभारियों को उनकी जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करते हुए आगामी कार्यों को गंभीरता एवं समन्वय के साथ संपादित करने का आह्वान किया गया। प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन सफलतापूर्वक हुआ।